अध्याय 13

जनसंख्या एवं नगरीकरण

इस अध्याय में आप सीखेंगे कि:

- मूलभूत अवधारणायें।
- माल्थस जनसंख्या सिद्धान्त।
- नीवनतम अवधारणायें—धार्मिक जनगणना-2011, सामाजिक आर्थिक और जातिगत जनगणना-2011
- जनसंख्या नीति, 2000
- जनसंख्या आयोग।
- राष्ट्रीय जनसंख्या कोष।
- 14 वीं 15 वीं जनगणना का तुलनात्मक अध्ययन।
- 15 वीं जनगणना विशेष—भारत व उत्तरप्रदेश।
- विश्व जनसंख्या एवं भारत।

मूलभूत अवधारणायें (Basic Concepts)

सन्तानोत्पादकता—किसी स्त्री में बच्चों को जन्म देने की शक्ति 'सन्तानोत्पादकता' कहलाती है। चाहे उसने बच्चे को जन्म दिया हो या न दिया हो।

प्रजननशीलता—किसी स्त्री या उनके समूह के द्वारा किसी निश्चित समयावधि में कुल सजीव जन्मे बच्चों की वास्तविक संख्या से है।

आश्रितता अनुपात—$DR = \frac{D}{W}K$

DR-आश्रितता अनुपात

D-आश्रित जनसंख्या (0-14 वर्ष तथा 60 वर्ष से ऊपर की जनसंख्या को शामिल किया जाता है)

W-कुल कार्यशील जनसंख्या (15 से 59 वर्ष के लोगों को शामिल किया जाता है)

K-1000 (आश्रितता अनुपात को 1000 में व्यक्त किया जाता है)

- साक्षरता दर—$LR = \frac{L}{7+P} \times 100$
- LR-साक्षरता दर
- D-साक्षर व्यक्तियों की संख्या
- 7+P-7 वर्ष या उससे अधिक आयु वाली जनसंख्या

लिंग अनुपात—प्रति 1000 पुरूषों पर, स्त्रियों की संख्या 'लिंग अनुपात' कहलाता है।

$$SR = \frac{\text{स्त्रियों की कुल संख्या}}{\text{पुरूषो की कुल संख्या}} \times 100$$

शिशु लिंगानुपात—0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या में प्रति 1000 बालकों की तुलना में, उसी आयु वर्ग में बालिकाओं की संख्या को 'शिशु लिंगानुपात' कहते हैं।

$$CSR = \frac{\text{बालिकाओं की संख्या (0-6 वर्ष)}}{\text{बालकों की संख्या (0-6 वर्ष)}} \times 100$$

दशकीय वृद्धि दर—10 वर्षों के मध्य जनसंख्या में हुई प्रतिशत वृद्धि को 'दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर' कहते हैं।

$$CSR = \frac{\text{वर्तमान जनसंख्या - पूर्व जनसंख्या}}{\text{पूर्व जनसंख्या}} \times 100$$

- **अशोधित एवं संशोधित जन्म दर**—किसी वर्ष विशेष में जन्मे पंजीकृत कुल बच्चों की संख्या तथा उस वर्ष की कुल जनसंख्या के बीच के अनुपात को 'अशोधित जन्म दर' कहते हैं।

ध्यातव्य हो कि

अशोधित जन्म दर में केवल पंजीकृत बच्चों को शामिल किया जाता है। जबकि अपंजीकृत कुल बच्चों का 5% और जोड़ देने पर 'संशोधित जन्म दर' प्राप्त होता है।

- **शिशु मृत्यु दर**—किसी निश्चित वर्ष में एक वर्ष से कम आयु वाले बच्चों की मृत्यु संख्या और उसी वर्ष में सजीव जन्मे बच्चों की संख्या का अनुपात 'शिशु मृत्यु दर' कहलाता है।
- **नगरीय क्षेत्र**—नगरीय क्षेत्र के अंतर्गत ऐसे सभी स्थान सम्मिलित किए गए हैं जो 2001 की जनगणना के अनुसार हैं—
  - नगर पालिका
  - नगर निगम
- **छावनी बोर्ड या अधिसूचित नगर क्षेत्र**—ऐसे क्षेत्रों को स्थापित करने के लिए एक साथ तीन अन्य विशेषताएं पूरी करते हों, जो निम्नवत हैं—
  - (i) वहाँ की न्यूनतम जनसंख्या 5000 हो।
  - (ii) कार्यशील पुरूषों का न्यूनतम 75% गैर-कृषि कार्यों में नियोजित हो।
  - (iii) जनसंख्या घनत्व कम से कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो।

ध्यातव्य हो कि

ऐसे नगर जहाँ की जनसंख्या 1 लाख से अधिक है, उन्हें शहर की संज्ञा दी जाती है।

- **औद्योगिक श्रेणी**—2001 की जनगणना के अनुसार दीर्घकालिक तथा अल्पकालिक उद्यम कर्मियों को चार श्रेणी में विभक्त किया जाता है—
  - (i) काश्तकार
  - (ii) खेतिहर मजदूर
  - (iii) पारिवारिक उद्योग कर्मी
  - (iv) अन्य कर्मी

ध्यातव्य हो कि

दीर्घकालिक कर्मी ऐसे कर्मी है जिन्होंने 6 महीने या उससे अधिकांश भाग में कोई कार्य किया हो जबकि अल्पकालिक कर्मी ऐसे कर्मी है जिन्होंने 6 महीने की अवधि के अधिकांश भाग में कोई कार्य नहीं किया हो।

- **कार्य सहभागिता दर**—कार्य सहभागिता दर (WPR) से तात्पर्य कुल जनसंख्या की तुलना में कुल कर्मी (दीर्घ एवं अल्पकालिक कर्मी) की प्रतिशत सहभागिता से है—

$$\text{WPR} = \frac{\text{कुल कर्मी (दीर्घ एवं अल्पकालिक कर्मी)}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 100$$

- **मेगा सिटी**—UNO के अनुसार—'ऐसे नगर जिनकी जनसंख्या 10 मिलियन (1 करोड़) से अधिक है, उन्हें मेगा सिटी कहते हैं।' भारतीय जनगणना 2011 में इस अवधारणा को स्वीकार किया गया। इस प्रकार देश में कुल 3 मेगा सिटी हैं—1. बृहत् मुम्बई, 2. दिल्ली, 3. कोलकत्ता।

ध्यातव्य हो कि

2011 की जनगणना से पहले 40 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों को मेगा सिटी कहा जाता था।

- **भारत में नगरों का विभाजन**—भारतीय जनगणना विभाग द्वारा भारतीय नगरों को जनसंख्या के आधार पर 6 वर्गों में विभाजित किया गया है, जो निम्नवत है:

तालिका 13.1: भारत में नगरों के वर्ग

नगर वर्ग	जनसंख्या	विशेषता
प्रथम वर्ग-I	1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले शहर	जनगणना में इन्हें ही शहर कहा गया है। देश की कुल नगरीय जनसंख्या का सर्वाधिक भाग, प्रथम श्रेणी के नगरों में रहता है जहाँ की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई है।
द्वितीय वर्ग-II	50,000 से 99,000 तक	जनसंख्या में तीव्र वृद्धि
तृतीय वर्ग-III	20,000 से 49,000 तक	जनसंख्या में तीव्र वृद्धि
चतुर्थ वर्ग-IV	10,000 से 19,999 तक	लघु नगर
पंचम वर्ग-V	5000 से 9,999 तक	लघु नगर
षष्ठम वर्ग-VI	5000 से कम	लघु नगर

- **जनांकिकीय लाभांश**—जनांकिकीय लाभांश से तात्पर्य देश की कुल जनसंख्या में कार्यकारी जनसंख्या का अधिक होने से है। 15 से 59 वर्ष की जनसंख्या को कार्यकारी जनसंख्या कहते हैं जो कि एक उत्पादक है।

ध्यातव्य हो कि

चीन विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है परन्तु भारत कार्यकारी जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में प्रथम स्थान रखता है। यदि इस जनसंख्या की कुशलता को प्रोत्साहित किया जाये तो भारत की अर्थव्यवस्था में अमूलचूक विकास परिवर्तन जैसे परिणाम देखने को मिलेंगे।

- **आश्रित आबादी**—जनसंख्या के पिरामिड में 0–14 वर्ष के तथा 65 वर्ष के ऊपर की जनसंख्या को आश्रित जनसंख्या कहते हैं जबकि 15 से 64 वर्ष के आयु समूह कार्यकारी जनसंख्या कहलाती है।
- **जनसंख्या विस्फोट**—उच्च जन्म दर एवं निम्न मृत्यु दर, जनसंख्या विस्फोट की स्थिति कहलाती है।

धार्मिक जनगणना 2011: तुलनात्मक अध्ययन (Religius Census 2011: Comparative Study)

तालिका 13.2: धर्म आधरित आबादी, हिस्सेदारी एवं उनकी दशकीय वृद्धि

		हिस्सेदारी			दशकीय वृद्धि (में)		
धर्म	कुल आबादी	2011	2001	परिवर्तन	2011	2001	परिवर्तन
हिन्दु	96.63 करोड़	79.8	80.5	−0.7↓	16.8	19.9	−3.1↓
मुस्लिम	17.22 करोड़	14.2	13.4	0.8↑	24.6	29.3	−4.7↓
ईसाई	2.78 करोड़	2.3	2.3	कोई परिवर्तन नहीं	15.5	22.5	−7.0↓
सिक्ख	2.08 करोड़	1.7	1.9	0.2↓	8.4	16.9	−8.5↓
बौद्ध	84 लाख	0.7	0.8	0.1↓	6.1	22.8	−16.7↓
जैन	45 लाख	0.4	0.4	कोई परिवर्तन नहीं	5.4	25.9	−20.5↓
अन्य	79 लाख	0.7	0.6	0.1	NA	NA	NA
नस्तिक	29 लाख	0.2	NA	NA	NA	NA	NA

तालिका 13.3: धार्मिक जनगणना के महत्वपूर्ण तथ्य

आधार	धर्म		
सर्वाधिक जनसंख्या वाले धर्म	1. हिन्दू	2. मुस्लिम	3. सिक्ख
न्यूनतम जनसंख्या वाले धर्म	1. जैन	2. बौद्ध	3. सिक्ख
जनसंख्या में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी वाला धर्म	1. मुस्लिम		
जनसंख्या में सर्वाधिक कमी वाला धर्म	1. हिन्दू	2. सिक्ख	3. बौद्ध
स्थिर जनसंख्या वाला धर्म	1. ईसाई	2. जैन	
सर्वाधिक दशकीय वृद्धि में गिरावट वाला धर्म	1. जैन	2. बौद्ध	3. सिक्ख

(Continued)

माल्थस जनसंख्या सिद्धान्त (Malthus Theory of Population)

सिद्धान्त का प्रतिपादन

इंग्लैण्ड के निराशावादी अर्थशास्त्री *सर थॉमस राबर्ट माल्थस* ने 1792 मे अपने लेख *'एन एसे ऑन द प्रिंसीपलस ऑफ पॉपूलेश्न'* मे किया।

सिद्धान्त

जनसंख्या की वृद्धि गुणोत्तर श्रेणी अर्थात 1, 2, 4, 8, 16, 32 की दर से बढ़ती है जबकि जीविकोपार्जन के साधन समानान्तर श्रेणी अर्थात 1, 2, 3, 4, 5, 6 की दर से बढ़ती है।

तालिका 13.3: धार्मिक जनगणना के महत्वपूर्ण तथ्य *(Continued)*

आधार	धर्म				
लिंगानुपात (पुरूषों की तुलना में महिला) के आधार पर सबसे खराब स्थिति वाला धर्म	1. सिक्ख	2. हिन्दू	3. मुस्लिम		
लिंगानुपात के आधार पर सबसे अच्छी स्थिति वाला धर्म	1. ईसाई	2. बौद्ध	3. जैन		
सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वृद्धि वाले राज्य	1. असम	2. उत्तराखण्ड	3. केरल	4. प. बंगाल	5. गोवा
सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वृद्धि वाले के प्रदेश	1. दिल्ली	2. चण्डीगढ़	3. दादर नागर हवेली		
सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वृद्धि वाले पूर्वोत्तर राज्य	1. असम	2. नागालैंड	3. त्रिपुरा	4. मिजोरम	5. सिक्किम
कुल आबादी में सर्वाधिक मुस्लिम आबादी का प्रतिशत	1. लक्षद्वीप	2. जम्मू कश्मीर	3. प. बंगाल	4. केरल	5. उत्तर प्रदेश
उत्तर प्रदेश राज्य के जिलों में सर्वाधिक मुस्लिम आबादी का प्रतिशत	1. रामपुर	2. मुरादाबाद	3. बिजनौर	4. सहारनपुर	5. ज्योतिबा फुलेनगर
देश में सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला समुदाय	1. मुस्लिम	2. अनुसूचित जनजाति	3. अनुसूचित जाति		

नोट—महापंजीयक और जनगणना आयुक्त डा. सी. चंद्रमौली द्वारा 31 अगस्त 2015 को धार्मिक जनगणना 2011 के आंकड़े जारी किये गये।

तालिका 13.4: सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना-2011

जनगणना का प्रारम्भ	29 जून 2011, पश्चिम त्रिपुरा के हाजेमोरा ब्लाक से प्रारम्भ दो चरणों में बाँटा गया। पहला - अप्रैल-सितम्बर 2010 दूसरा - जनसंख्या गणना-9 से 28 फरवरी 2011
मंत्रालय द्वारा आयोजित	ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा
जनगणना का उद्देश्य	गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों को पहचानना, सभी सुपात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचना और आपात्र लाभार्थियों को लाभ से वंचित करना एवं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के परिवारों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना।
जनगणना के घटक	ग्रामीण क्षेत्र की जनगणना-ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा करायी गयी। शहरी क्षेत्र की जनगणना-आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार के तहत करायी गयी। जाति जनगणना-ग्रह मंत्रालय के तहत भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त के प्रशासनिक नियंत्रण में करायी गयी।
'वंचन श्रेणी' से बाहर करने का मापदण्ड	यदि कोई ग्रामीण भारतीय व्यक्ति निम्न 14 मापदंडों में से किसी एक को भी पूरा करता है तो उसे वंचन श्रेणी के दायरे से बाहर किया जायेगा, ये मापदण्ड निम्नवत् हैं: 1. मोटर चालित दोपहियो/तिपहिया/चार पहिया वाले वाहन/मछली पकड़ने वाली नावे हो।

(Continued)

	2. मशीन चालित कृषि उपकरण। 3. 50 हजार या उससे अधिक मानक वाले किसान क्रेडिट कार्ड। 4. सरकारी सेवा करने वाले किसी सदस्य का परिवार। 5. सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्योग वाले परिवार। 6. परिवार का कोई सदस्य 10,000 रूपये प्रतिमाह से अधिक कमाता है। 7. आयकरदाता। 8. व्यावसायिक कर दाता। 9. सभी कमरों में पक्की दीवारें और छत के साथ तीन या अधिक कमरे वाला घर। 10. रेफ्रिजरेटर वाले परिवार। 11. लैंडलाइन फोन वाले परिवार। 12. वे परिवार जिनके पास कम से कम 1 सिंचाई उपकरण के 2.5 एकड़ अथवा इससे अधिक सिंचित भूमि है। 13. दो अथवा उससे अधिक फसल के मौसम के लिए 5 एकड़ अथवा इससे अधिक सिंचित भूमि है। 14. कम से कम एक सिंचाई उपकरण के साथ कम से कम 7.5 एकड़ अथवा इससे अधिक भूमि है।
वंचन श्रेणी में शामिल करने के मापदण्ड	निम्न 5 मापदण्डों में से किसी एक को भी पूरा करने पर परिवारों को वंचन की श्रेणी में स्वत: शामिल कर लिया जायेगा। 1. बेघर परिवार। 2. निराश्रित/भिक्षुक। 3. सिर पर से मैला ढोने वाले परिवार। 4. आदिम जनजातीय समूह। 5. कानूनी रूप से मुक्त किए गए बंधुआ मजदूर।

तालिका 13.5: भारत की सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना-2011 के महत्वपूर्ण तथ्य

1.	देश में कुल परिवारों की संख्या (ग्रामीण + शहरी)	24.45 करोड़
2.	कुल ग्रामीण परिवार	17.94 करोड़ (73.44%)
3.	कुल शहरी परिवार	6.51 करोड़ (26.56%)
4.	ग्रामीण क्षेत्र के परिवार जिन्हें 14 मापदण्डों में से किसी एक को पूरा करने के कारण वचन श्रेणी से हटाया गया है।	7.06 करोड़ (39.36%)
5.	कच्ची दीवारों एवं कच्ची छत के साथ केवल एक कमरे में रहने वाले ग्रामीण परिवार	2.83 करोड़ (13.26%)
6.	ग्रामीण भारत के कुल परिवारों में SC एवं ST परिवारों का प्रतिशत	18.44% एवं 10.96%
7.	सर्वाधिक SC परिवार वाले राज्य	1. पंजाब, 2. प. बंगाल, 3. तमिलनाडु, 4. उत्तर प्रदेश
8.	सर्वाधिक ST परिवार वाले राज्य	1. मिजोरम, 2. लक्षद्वीप, 3. नागालैंड, 4. मेघालय
9.	ग्रामीण परिवारों में अशिक्षितों की संख्या एवं प्रतिशत	31.63 करोड़ (35.74%)
10.	सर्वाधिक अशिक्षित परिवार वाले राज्य	1. राजस्थान, 2. मध्यप्रदेश, 3. बिहार

(Continued)

तालिका 13.5: भारत की सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना-2011 के महत्त्वपूर्ण तथ्य (Continued)

11.	देश में भूमिहीन ग्रामीण परिवार का प्रतिशत	56.35%
12.	देश के ग्रामीण परिवारों में क्रेडिट कार्ड धारक परिवार	64.81 लाख (3.61%)
13.	सर्वाधिक क्रेडिट कार्ड धारक ग्रामीण परिवार	1. हरियाणा, 2. राजस्थान, 3. पंजाब, 4. उत्तर प्रदेश
14.	ग्रामीण परिवारों की आय का मुख्य स्रोत कृषि	5.40 करोड़ (30.11%)
15.	ग्रामीण परिवारों की आय के अन्य स्रोत-	
	• दिहाड़ी मजदूरी से आय प्राप्त करने वाले परिवार	9.18 करोड़ (51.16%)
	• अंशकालिक या पूर्णकालिक घरेलू सेवा पर निर्भर परिवार	44.81 लाख (2.50%)
	• कूड़ा बीन कर जीवन यापन करने वाले परिवार	408475 लाख परिवारो से भी ऊपर 408475 (0.23%)
	• गैर कृषि अर्थात स्वयं के उद्योग पर जीवन यापन करने वाले परिवार	2887853 परिवारो से भी ऊपर 2887853 (1.61%)
	• भीख-दान आदि पर आश्रित परिवार	668569 परिवार 668569 (0.37%)
	• सरकारी नौकरी प्राप्त ग्रामीण परिवार	89.90 लाख (5.01%)
16.	आयकर या व्यवसायिक कर देने वाले ग्रामीण परिवार	82.16 लाख (4.58%)
17.	ग्रामीण परिवारों के पास मोटर चालित दुपहिया/तिपहिया/चार पहिया वाले वाहन या मोटर चालित मछली पकड़ने वाली नावें	3.71 करोड़ (20.70%)
18.	ऐसे ग्रामीण परिवार जिनके पास किसी भी प्रकार का फोन नहीं	5.01 करोड़ (27.96%)

जनसंख्या नीति, 2000

- भारत में सर्वप्रथम जनसंख्या नीति बनाने का सुझाव 1960 में एक विशेषज्ञ समूह ने दिया था।
- वर्ष 1976 में देश की पहली 'जनसंख्या नीति' की घोषणा की गयी।

  नोट—1978 में जनता पार्टी की सरकार द्वारा संशोधित जनसंख्या नीति की घोषणा की गयी।
- वर्ष 2000 की जनसंख्या नीति के प्रमुख बिन्दु निम्नवत है—
  - वर्ष 2025 तक (समीक्षा में 2045) जनसंख्या वृद्धि दर को स्थिर किया जायेगा।
  - विवाह की उम्र लड़की के मामले में 18 वर्ष तथा लड़के के मामले में 21 वर्ष होगी।

  नोट—गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले उन दम्पत्तियों को पुरस्कृत किया जायेगा जिनकी पहली संतान के जन्म के समय माता की उम्र 21 वर्ष या इससे अधिक हो।
- जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करने वाले पंचायतों, जिला परिषदों को पुरस्कृत किया जायेगा।
- बाल विवाह निरोधक अधिनियम तथा लिंग परीक्षण तकनीक निरोधक अधिनियम के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जायेगा।
- गर्भपात सुविधा को और विस्तार दिया जायेगा।
- विवाह, गर्भावस्था तथा जन्म मृत्यु पंजीकरण को अनिवार्य बनाया जायेगा।
- मातृत्व मृत्यु दर प्रति एक लाख पर 100 से नीचे लाया जायेगा।
- शिशु मृत्यु दर को प्रति हजार पर 30 से नीचे लाया जायेगा।

जनसंख्या आयोग

- 11 मई 2000 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नेश्नल पॉपूलेश्न कमिश्न (NPC) का गठन किया गया।
- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा एवं निगरानी के लिए गठित नेश्नल पॉपूलेश्न कमिश्न का पुनर्गठन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 19 मई, 2005 को किया।
- NPC के सदस्य—

- **अध्यक्ष**—प्रधानमंत्री (डॉ. मनमोहन सिंह)
- **उपाध्यक्ष**—उपाध्यक्षों की संख्या दो है-(i) योजना आयोग के उपाध्यक्ष, (ii) केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

नोट—यह आयोग अभी तक योजना आयोग के अधीन था किन्तु वर्तमान में इसे स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन रखा गया है।

राष्ट्रीय जनसंख्या कोष

- फरवरी, 2000 में घोषित नई जनसंख्या नीति के क्रियान्वयन के लिए फरवरी 2003 में राष्ट्रीय जनसंख्या कोष की स्थापना की गयी।
- 100 करोड़ की प्राथमिक पूंजी के साथ इस कोष की स्थापना हुई।
- कोष का पदेन अध्यक्ष—प्रधानमंत्री
- कोष का उपाध्यक्ष— दो उपाध्यक्ष, 1. केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, 2. योजना आयोग के उपाध्यक्ष
- कोष का प्रमुख कार्य—वर्ष 2025 तक जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु कोष द्वारा विभिन्न प्रकार के जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम चलाना एवं कोष से पिछड़े राज्यों को विशेष सहायता उपलब्ध कराना। किन्तु वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन रखा गया है।

तालिका 13.6: 14वीं और 15वीं जनगणना का तुलनात्मक अध्ययन

		2011	2001	अंतर
1.	कुल जनसंख्या (करोड़ में)	121.05	102.37	18.69
	(i) कुल जनसंख्या में पुरूष का %	51.47	51.73	−.26
	(ii) कुल जनसंख्या में स्त्री का %	48.53	48.27	.26
2.	विश्व की कुल जनसंख्या का %	17.5	–	–
3.	नगरीय जनसंख्या का %	31.2	27.81	3.39
4.	ग्रामीण जनसंख्या का %	68.8	72.19	−3.39
5.	साक्षरता दर %	73.0	64.8	8.2
	(i) पुरूष साक्षरता दर %	80.9	75.26	5.6
	(ii) महिला साक्षरता दर %	64.6	53.67	10.93
6.	लिंगानुपात (प्रति हजार)	943	933	10
7.	0–6 आयु वर्ग में लिंग अनुपात	927	914	13
8.	जनघनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी.)	382	325	57
9.	दशकीय वृद्धि दर का %	17.7	21.54	−3.84
10.	10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर	53	35	18

नोट—2001 एवं 2011 की जनगणना का तुलनात्मक अध्ययन से ज्ञात होता है कि दशकीय वृद्धि दर एवं ग्रामीण जनसंख्या के प्रतिशत में ही कमी आयी है शेष सभी क्षेत्रों में पहले की तुलना में वृद्धि हुई है।

तालिका 13.7: 15 वीं जनगणना विशेष भारत एवं उत्तर प्रदेश

भारत का क्षेत्रफल—32,87,263 वर्ग कि.मी. (विश्व का 2.4%)

उत्तर प्रदेश का क्षेत्रफल—2,40,928 वर्ग किमी. (भारत का 7.3%)

1. राज्य	बड़े	1. राजस्थान	2. मध्यप्रदेश	3. महाराष्ट्र	4. उत्तर प्रदेश	5. जम्मू कश्मीर
	छोटे	1. गोवा	2. सिक्किम	3. त्रिपुरा	4. नागालैंड	5. मिजोरम
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	बड़े	1. अंडमान निकोबार	2. दिल्ली	3. दादर नागर हवेली		
	छोटे	1. लक्ष्यद्वीप	2. दमनद्वीप	3. चंडीगढ़		
3. पूर्वोत्तर राज्य	बड़े	1. अरूणाचल प्रदेश	2. असम	3. मेघालय	4. मणिपुर	5. मिजोरम
	छोटे	1. त्रिपुरा	2. नागालैंड	3. मिजोरम	4. मणिपुर	5. मेघालय
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	बड़े	1. खीरी	2. सोनभद्र	3. हरदोई	4. सीतापुर	5. इलाहाबाद
	छोटे	1. संतरविदासनगर	2. गाजियाबाद	3. बागपत	4. गौतम बुद्ध नगर	5. वाराणसी

क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)

नोट: 10 बड़े देश: 1. रूस, 2. कनाडा, 3. यूएस, 4. चीन, 5. ब्राजील, 6. आस्ट्रेलिया, 7. भारत, 8. अर्जेन्टीना, 9. कजाकिस्तान, 10. अल्जीरिया

तालिका 13.8: जनसंख्या *(Population)*

भारत—121.05 करोड

उत्तर प्रदेश—19.98 करोड़ (भारत का 16.50%)

1. राज्य	सर्वाधिक	1. उत्तर प्रदेश	2. महाराष्ट्र	3. बिहार	4. प. बंगाल	5. आन्ध्र प्रदेश
	न्यूनतम	1. सिक्किम	2. मिजोरम	3. अरूणाचल प्रदेश	4. गोवा	5. नागालैंड
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. दिल्ली	2. पुडुचेरी	3. चंडीगढ़		
	न्यूनतम	1. लक्षद्वीप	2. दमनद्वीप	3. दादर नागर हवेली		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. असम	2. त्रिपुरा	3. मेघालय	4. मणिपुर	5. नागालैंड
	न्यूनतम	1. मिजोरम	2. अरूणाचल प्रदेश	3. नागालैंड	4. मणिपुर	5. मेघालय
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. इलाहाबाद	2. मुरादाबाद	3. गाजियाबाद	4. आजमगढ़	5. लखनऊ
	न्यूनतम	1. महोबा	2. चित्रकूट	3. हमीरपुर	4. श्रावस्ती	5. ललितपुर

नोट—5 सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश: 1. चीन, 2. भारत, 3. यूएस, 4. इंडोनेशिया, (इनके बाद उत्तर प्रदेश 5वें स्थान पर है।) 5. ब्राजील

तालिका 13.9: दशकीय वृद्धि दर

भारत—17.7%

उत्तर प्रदेश—20.2%

1. राज्य	सर्वाधिक	1. मेघालय	2. अरूणाचल प्रदेश	3. बिहार	4. जम्मू कश्मीर	5. मिजोरम
	न्यूनतम	1. नागालैंड	2. केरल	3. गोवा	4. आन्ध्र प्रदेश	5. सिक्किम
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. दादर नागर हवेली	2. दमनद्वीप	3. पुडुचेरी		
	न्यूनतम	1. लक्षद्वीप	2. अंडमान निकोबार	3. चंडीगढ़		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. मेघालय	2. अरूणाचल प्रदेश	3. मिजोरम	4. मणिपुर	5. असम
	न्यूनतम	1. नागालैंड	2. त्रिपुरा	3. असम	4. मणिपुर	5. मिजोरम

(Continued)

4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. गौतम बुद्ध नगर	2. गाजियाबाद	3. श्रावस्ती	4. बहराइच	5. बलरामपुर
	न्यूनतम	1. कानपुर नगर	2. हमीरपुर	3. बागपत	4. फतेहपुर	5. देवरिया

तालिका 13.10: ग्रामीण जनसंख्या

भारत की ग्रामीण जनसंख्या—68.8%

उत्तर प्रदेश की ग्रामीण जनसंख्या—77.1%

1. राज्य	सर्वाधिक	1. उत्तरप्रदेश	2. बिहार	3. प. बंगाल	4. महाराष्ट्र	5. आन्ध्र प्रदेश
	न्यूनतम	1. सिक्किम	2. मिजोरम	3. गोवा	4. अरूणाचल प्रदेश	5. नागालैंड
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. दिल्ली	2. पुडुचेरी	3. अंडमान निकोबार		
	न्यूनतम	1. लक्षद्वीप	2. चंडीगढ़	3. दमनद्वीप		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. असम	2. त्रिपुरा	3. मेघालय	4. मणिपुर	5. नागालैंड
	न्यूनतम	1. मिजोरम	2. अरूणाचल	3. नागालैंड	4. मणिपुर	5. मेघालय
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. इलाहाबाद	2. आजमगढ़	3. जौनपुर	4. सीतापुर	5. गोरखपुर
	न्यूनतम	1. गौतम बुद्ध नगर	2. महोबा	3. हमीरपुर	4. चित्रकूट	5. बागपत

तालिका 13.11: शहरी जनसंख्या

भारत की शहरी जनसंख्या—31.2%

उत्तर प्रदेश की शहरी जनसंख्या—22.3%

1. राज्य	सर्वाधिक	1. महाराष्ट्र	2. उत्तरप्रदेश	3. तमिलनाडु	4. प. बंगाल	5. आन्ध्र प्रदेश
	न्यूनतम	1. सिक्किम	2. अरूणाचल प्रदेश	3. नागालैंड	4. मिजोरम	5. मेघालय
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. दिल्ली	2. चंडीगढ़	3. पुडुचेरी		
	न्यूनतम	1. लक्षद्वीप	2. अंडमान निकोबार	3. दादर नागर हवेली		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. असम	2. त्रिपुरा	3. मणिपुर	4. मेघालय	5. मिजोरम
	न्यूनतम	1. अरूणाचल	2. नागालैंड	3. मिजोरम	4. मेघालय	5. मणिपुर
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. गाजियाबाद	2. लखनऊ	3. कानपुर नगर	4. आगरा	5. मेरठ
	न्यूनतम	1. श्रावस्ती	2. चित्रकूट	3. कौशाम्बी	4. संतकबीर नगर	5. महराजगंज

तालिका 13.12: साक्षरता दर

भारत—73.2%

उत्तर प्रदेश—67.7%

1. राज्य	सर्वाधिक	1. केरल	2. मिजोरम	3. गोवा	4. त्रिपुरा	5. हिमाचल प्रदेश
	न्यूनतम	1. बिहार	2. अरूणाचल	3. राजस्थान	4. झारखंड	5. आन्ध्र प्रदेश
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. लक्षद्वीप	2. दमन द्वीप	3. अंडमान निकोबार		
	न्यूनतम	1. दादर नागर हवेली	2. पंडुचेरी	3. चढ़ीगढ़		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. मिजोरम	2. त्रिपुरा	3. नागालैंड	4. मणिपुर	5. मेघालय
	न्यूनतम	1. अरूणाचल	2. असम	3. मेघालय	4. मणिपुर	5. नागालैंड
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. गौतम बुद्ध नगर	2. कानपुर नगर	3. औरैया	4. इटावा	5. गाजियाबाद
	न्यूनतम	1. श्रावस्ती	2. बहराइच	3. बलरामपुर	4. बदायूं	5. रामपुर

तालिका 13.13: पुरुष साक्षरता दर

भारत—80.9%

उत्तर प्रदेश राज्य—77.3%

1. राज्य	सर्वाधिक	1. केरल	2. लक्ष्यद्वीप	3. मिजोरम	4. गोवा	5. त्रिपुरा
	न्यूनतम	1. बिहार	2. अरूणाचल	3. आन्ध्र प्रदेश	4. मेघालय	5. जम्मू-कश्मीर
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. लक्षद्वीप	2. दमन द्वीप	3. पुडुचेरी		
	न्यूनतम	1. दादर नागर हवेली	2. चण्डीगढ़	3. अंडमान निकोबार		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. मिजोरम	2. त्रिपुरा	3. मणिपुर	4. नागालैंड	5. असम
	न्यूनतम	1. अरूणाचल	2. मेघालय	3. असम	4. नागालैंड	5. मणिपुर
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. गौतम बुद्ध नगर	2. औरैया	3. इटावा	4. गाजियाबाद	5. झांसी
	न्यूनतम	1. श्रावस्ती	2. बहराइच	3. बलरामपुर	4. बदायूं	5. रामपुर

तालिका 13.14: महिला साक्षरता दर

भारत—64.6%

उत्तर प्रदेश राज्य—57.2%

1. राज्य	सर्वाधिक	1. केरल	2. मिजोरम	3. लक्षद्वीप	4. गोवा	5. त्रिपुरा
	न्यूनतम	1. बिहार	2. राजस्थान	3. झारखंड	4. जम्मू-कश्मीर	5. उत्तर प्रदेश
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. लक्षद्वीप	2. अंडमान निकोबार	3. चण्डीगढ़		
	न्यूनतम	1. दादर नागर हवेली	2. दमनद्वीप	3. पुडुचेरी		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. मिजोरम	2. त्रिपुरा	3. नागालैंड	4. मेघालय	5. मणिपुर
	न्यूनतम	1. अरूणाचल	2. असम	3. मणिपुर	4. मेघालय	5. नागालैंड
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. कानपुर	2. लखनऊ	3. गौतम बुद्ध नगर	4. औरैया	5. रामपुर
	न्यूनतम	1. श्रावस्ती	2. बलरामपुर	3. बहराइच	4. बदायूं	5. रामपुर

तालिका 13.15: जनसंख्या घनत्व

भारत—382 (व्यक्ति/वर्ग किमी.)

उत्तर प्रदेश राज्य—829 (व्यक्ति/वर्ग किमी.)

1. राज्य	सर्वाधिक	1. बिहार	2. प. बंगाल	3. केरल	4. उत्तर प्रदेश	5. हरियाणा
	न्यूनतम	1. अरूणाचल	2. मिजोरम	3. सिक्किम	4. मणिपुर	5. नागालैंड
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. दिल्ली	2. चण्डीगढ़	3. दमनद्वीप		
	न्यूनतम	1. दादर नागर हवेली	2. लक्षद्वीप	3. दमनद्वीप		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. असम	2. त्रिपुरा	3. मेघालय	4. नागालैंड	5. मणिपुर
	न्यूनतम	1. अरूणाचल	2. मिजोरम	3. मणिपुर	4. नागालैंड	5. मेघालय
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. गाजियाबाद	2. वाराणसी	3. लखनऊ	4. संतकबीर नगर	5. कानपुर
	न्यूनतम	1. ललितपुर	2. सोनभद्र	3. हमीरपुर	4. महोबा	5. चित्रकूट

तालिका 13.16: लिंगानुपात

भारत—943

उत्तर प्रदेश राज्य—912

1. राज्य	सर्वाधिक	1. केरल	2. तमिलनाडु	3. आन्ध्र प्रदेश	4. मणिपुर	5. छत्तीसगढ़
	न्यूनतम	1. हरियाणा	2. जम्मू कश्मीर	3. सिक्किम	4. पंजाब	5. उत्तर प्रदेश
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. पुंडुचेरी	2. लक्षद्वीप	3. अंडमान निकोबार		
	न्यूनतम	1. दमनद्वीप	2. दादर नागर हवेली	3. चंड़ीगढ़		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. मणिपुर	2. मेघालय	3. मिजोरम	4. त्रिपुरा	5. असम
	न्यूनतम	1. नागालैंड	2. अरूणाचल	3. असम	4. त्रिपुरा	5. मिजोरम
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. जौनपुर	2. आजमगढ़	3. देवरिया	4. प्रतापगढ़	5. सुल्तानपुर
	न्यूनतम	1. गौतम बुद्ध नगर	2. हमीरपुर	3. बागपत	4. कानपुर नगर	5. बांदा

तालिका 13.17: शिशु लिंगानुपात दर

भारत—919 (0-6 आयु वर्ग)

उत्तर प्रदेश राज्य—902 (0-6 आयु वर्ग)

1. राज्य	सर्वाधिक	1. अरूणाचल	2. मिजोरम	3. मेघालय	4. छत्तीसगढ़	5. केरल
	न्यूनतम	1. हरियाणा	2. पंजाब	3. जम्मूकश्मीर	4. राजस्थान/महाराष्ट्र	5. उत्तराखण्ड
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	सर्वाधिक	1. अंडमान निकोबार	2. पुडुचेरी	3. दादर नागर हवेली		
	न्यूनतम	1. दिल्ली	2. चंडीगढ़	3. दमन एवं द्वीप		
3. पूर्वोत्तर राज्य	सर्वाधिक	1. अरूणाचल	2. मेघालय/मिजोरम	3. असम	4. सिक्किम/ त्रिपुरा	
	न्यूनतम	1. मणिपुर	2. नागालैंड	3. सिक्किम/ त्रिपुरा	4. असम	
4. उत्तर प्रदेश (जिले)	सर्वाधिक	1. जौनपुर	2. आजमगढ़	3. देवरिया	4. प्रतापगढ़	5. सुल्तानपुर
	न्यूनतम	1. बागपत	2. गौतम बुद्ध नगर	3. गाजियाबाद	4. मेरठ	5. बुलंद शहर

तालिका 13.18: अनुसूचित जाति

भारत—20,13,78,086 (देश की कुल आबादी का 16.6 प्रतिशत)

उत्तर प्रदेश राज्य—16,66,35,700 (उ. प्र. की कुल आबादी का 20.7 प्रतिशत)

1. राज्य	जनसंख्या के आधार पर	सर्वाधिक	1. उत्तर प्रदेश	2. प.बंगाल	3. बिहार	4. तमिलनाडु	5. आन्ध्रप्रदेश
		न्यूनतम	1. मिजोरम	2. मेघालय	3. गोवा	4. सिक्किम	5. मणिपुर
	प्रतिशत के आधार पर	सर्वाधिक	1. पंजाब	2. हिमाचल	3. प.बंगाल	4. उत्तर प्रदेश	5. हरियाणा
		न्यूनतम	1. मिजोरम	2. मेघालय	3. गोवा	4. मणिपुर	5. सिक्किम
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	जनसंख्या के आधार पर	सर्वाधिक	1. चंडीगढ़	2. दिल्ली			
		न्यूनतम	1. लक्ष्यद्वीप	2. अण्डमान निकोबार			

(Continued)

3. उत्तर प्रदेश	जनसंख्या के आधार पर	सर्वाधिक	1. सीतापुर	2. इलाहाबाद	3. हरदोई	4. आजमगढ़	5. खीरी
		न्यूनतम	1. बागपत	2. श्रावस्ती	3. गौतम बुद्ध नगर	4. महोबा	5. ललितपुर
	प्रतिशत के आधार पर	सर्वाधिक	1. कौशाम्बी	2. सीतापुर	3. हरदोई	4. उन्नाव	5. रायबरेली
		न्यूनतम	1. बागपत	2. बरेली	3. बलरामपुर	4. गौतम बुद्ध नगर	5. रामपुर

तालिका 13.19: अनुसूचित जनजाति

भारत— 10,42,81,034 (देश की कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत)

उत्तर प्रदेश राज्य— 11,34,273 (उत्तर प्रदेश की कुल आबादी का 0.6 प्रतिशत) 43,26,240 देश की कुल 8.2%

1. राज्य	जनसंख्या के आधार पर	सर्वाधिक	1. मध्य प्रदेश	2. महाराष्ट्र	3. ओडिशा	4. राजस्थान	5. गुजरात
		न्यूनतम	1. गोवा	2. सिक्किम	3. उत्तराखण्ड	4. हिमाचल	5. केरल
	प्रतिशत के आधार पर	सर्वाधिक	1. मिजोरम	2. नागालैंड	3. मेघालय	4. अरूणाचल प्र.	5. मणिपुर
		न्यूनतम	1. उत्तर प्रदेश	2. तमिलनाडु	3. बिहार	4. केरल	5. उत्तराखण्ड
2. केंद्र प्रशासित प्रदेश	जनसंख्या के आधार पर	सर्वाधिक	1. लक्ष्यद्वीप	2. दादर नागर हवेली			
		न्यूनतम	1. चण्डीगढ़	2. दिल्ली			
3. उत्तर प्रदेश	जनसंख्या के आधार पर	सर्वाधिक	1. सोनभद्र	2. बलिया	3. देवरिया	4. कुशीनगर	5. ललितपुर
		न्यूनतम	1. बागपत	2. कन्नौज	3. बदायूं	4. एटा	5. औरैया
	प्रतिशत के आधार पर	सर्वाधिक	1. सोनभद्र	2. ललितपुर	3. देवरिया	4. बलिया	5. कुशीनगर
		न्यूनतम	1. बागपत/कंनौज	2. बदायुं	3. बुलन्दशहर	4. मुजफ्फरपुर	5. एटा

तालिका 13.20: देश की कुल जनसंख्या मे विभिन्न आयु वर्ग की जनसंख्या का अनुपात

आयु वर्ग	प्रतिशत	
वर्ष	2011 (वास्तविक)	2026 (प्रक्षेपित)
0–15	30.76	23.6
15–60	60.29	64.3
60 से अधिक	8.95	12.4

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. **दशकीय वृद्धि दर**
   - 1911–21 के दशक मे भारत की जनसंख्या वृद्धि दर में 'ह्रास की स्थिति' (–0.31%) अकाल, महामारी के प्रकोप के कारण मृत्यु दर अधिक होने के कारण हुई थी।
   - 1921 के पश्चात देश की जनसंख्या में 'तीव्र वृद्धि' प्रारंभ हुई इसलिए सन 1921 को जनसंख्या के इतिहास मे 'महान विभाजक वर्ष' कहा जाता है।
   - सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाले दशक—1. 1961–71 (24.80%), 2. 1971–81 (24.66%), 3. 1981–91 (23.81%), 4. 1991–2000 (21.54%)

2. **जनसंख्या वृद्धि दर का वर्गीकरण**
   - स्थिर जनसंख्या की अवधि — 1901–1921 तक
   - धीमी गति से बढ़ती जनसंख्या — 1921–1951 तक

- तीव्र वृद्धिमान जनसंख्या — 1951-1981 तक
- जनसंख्या वृद्धि दर मे गिरावट — 1971- अब तक (देश मे पहली बार जनसंख्या वृद्धि दर मे गिरावट 1971 की जनगणना मे देखने को मिली क्योंकि 1961-71 मे जनसंख्या वृद्धि दर 24.80% था जो 1971-81 मे 24.66% हुआ अर्थात .14% की गिरावट दर्ज हुई)

तालिका 13.21: देश में 10 लाख या अधिक जनसंख्या वाले नगर

राज्य	संख्या	नगर
केरल	7	1. कोच्चि, 2. कोझिकोड, 3. त्रिचूर, 4. मुलाप्पुरम्, 5. तिरूवंतपुरम्, 6. कन्नूर, 7. कोल्लम
महाराष्ट्र	6	1. वृहत मुम्बई, 2. नागपुर, 3. पुणे, 4. नासिक, 5. वसई विराट सिटी, 6. औरंगाबाद
तमिलनाडु	4	1. चेन्नई, 2. कोयम्बटूर, 3. मदुरै, 4. त्रिरूचिरापल्ली
आन्ध्र प्रदेश	3	1. हैदराबाद, 2. जीवीएमसी, 3. विजयवाड़ा
गुजरात	4	1. अहमदाबाद, 2. सूरत, 3. बडोदरा, 4. राजकोट
झारखंड	3	1. जमशेदपुर, 2. धनबाद, 3. रांची
प. बंगाल	2	1. कोलकत्ता, 2. आसन सोल
पंजाब	2	1. लुधियाना, 2. अमृतसर
दिल्ली	1	1. दिल्ली
कर्नाटक	1	1. बंगलुरू
बिहार	1	1. पटना
हरियाणा	1	1. फरीदाबाद
चंडीगढ़	1	1. चंडीगढ़
जम्मू कश्मीर	1	1. श्रीनगर

नोट:

- 10 से 40 लाख जनसंख्या वाले नगर: 44
- 40 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर: 09 (1. वृहत् मुंबई, 2. दिल्ली, 3. कोलकत्ता, 4. चेन्नई, 5. बंगलुरू, 6. हैदराबाद, 7. अहमदाबाद, 8. पुणे, 9. सूरत)
- 10 मिलियन (1 करोड़) से अधिक जनसंख्या वाले मेगा सिटी: 03 (1. वृहत् मुंबई, 2. दिल्ली, 3. कोलकत्ता)

विश्व जनसंख्या एवं भारत

- 2011 में भारत की जनसंख्या 121.08 करोड़ है जो यूएसए, इण्डोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश और जापान की संयुक्त जनसंख्या के लगभग बराबर है।
- 2001 से 2011 के दौरान भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 17.7% एवं वार्षिक वृद्धि दर 1.64% है अर्थात इन 10 वर्षों मे भारत की जनसंख्या 18.18 करोड़ बढ़ गयी। यह वृद्धि विश्व की पांचवीं सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश ब्राजील (19.5 करोड़) से थोड़ा ही कम है।
- 11 जुलाई 1987 को विश्व की जनसंख्या 5 अरब के बिन्दु को पार कर गई थी तब से ही 11 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है।

तालिका 13.22: विश्व जनसंख्या के मुख्य तथ्य

आधार	महाद्वीप/देश/शहर
सर्वाधिक जनसंख्या वाले महाद्वीप	1. एशिया, 2. अफ्रीका, 3. यूरोप, 4. उत्तरी अमेरिका, 5. द. अमेरिका
विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश	1. चीन, 2. भारत, 3. यूएसए, 4. इंडोनेशिया, 5. ब्राजील, 6. पाकिस्तान, 7. नाइजीरिया, 8. बांग्लादेश, 9. रूस, 10. जापान
विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले शहर	1. टोकियो, 2. मैक्सिको, 3. न्यूयार्क, 4. साओपोलो, 5. ब्राजील, 6. मुम्बई, 7. दिल्ली, 8. कोलकत्ता, 9. ब्यूनस आयर्स, 10. जकार्ता
शीर्ष ग्रामीण जनसंख्या वाले देश	1. भारत, 2. चीन, 3. इंडोनेशिया, 4. पाकिस्तान, 5. बांग्लादेश
महिला जनसंख्या वाले शीर्ष देश	1. चीन, 2. भारत, 3. यूएसए, 4. इंडोनेशिया, 5. ब्राजील
शीर्ष जनघनत्व वाले देश	1. मकाऊ 2. मोनेको, 3. सिंगापुर, 4. हांगकांग, 5. बहरीन
विश्व के प्रमुख सर्वाधिक संप्रदायों का प्रतिशत	1. ईसाई, 2. इस्लाम, 3. हिंदू
सर्वाधिक लिंगानुपात वाले देश (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	1. कतर, 2. संयुक्त अरब अमीरात, 3. बहरीन, 4. कुवैत
शीर्ष जीवन प्रत्याशा वाले देश	1. जापान, 2. आस्ट्रेलिया, 3. फ्रांस, 4. नार्वे, 5. कनाडा
विश्व के सर्वाधिक नगरीकृत देश	1. सिंगापुर/हांगकांग, 2. कतर, 3. कुवैत, 4. माल्टा, 5. वेनेजुएला
एशिया के सर्वाधिक नगरीकृत देश	1. सिंगापुर, 2. कतर, 3. कुवैत, 4. इजराइल
सार्क देशों में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाले देश (% मे)	1. मालद्वीप, 2. पाकिस्तान, 3. भूटान, 4. भारत, 5. बांग्लादेश, 6. अफगानिस्तान, 7. नेपाल, 8. श्रीलंका
सार्क देशों में सर्वाधिक साक्षरता % वाले देश	1. मालद्वीप, 2. श्रीलंका, 3. भारत, 4. भूटान, 5. बांग्लादेश, 6. पाकिस्तान, 7. नेपाल
सार्क देशों मे सर्वाधिक जनघनत्व वाले देश (प्रति वर्ग किमी)	1. बांग्लादेश, 2. मालदीव, 3. भारत, 4. पाकिस्तान, 5. श्रीलंका, 6. नेपाल, 7. अफगानिस्तान, 8. भूटान

अध्याय सार संग्रह

जनगणना का प्राचीनतम प्रमाण

- रोमन साम्राज्य के 'कैडेस्ट्रेल सर्वे' में।
- 1500 ई.पू. मूसा द्वारा इजरायल के निवासियों की जनगणना का उल्लेख मिलता है।
- 321-296 ई.पू. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में।
- सन् 1595-96 में अबुल फजल द्वारा रचित 'आइने अकबरी' में।

आधुनिक पद्धति का प्रारंभ

- स्वीडन द्वारा 1749 में।
- इंग्लैण्ड द्वारा 1801 में।
- अमेरिका द्वारा 1890 में।

  नोट—अमेरिका द्वारा सर्वप्रथम दशकीय जनगणना करायी गयी थी।

ब्रिटिश भारत की जनगणना का प्रारंभ

- सर्वप्रथम लार्ड मेयो द्वारा 1872 ई. में।
- प्रत्येक दस वर्ष के अंतराल में लार्ड रिपन द्वारा 1881 ई. में।
- भारतीय जनगणना के प्रमुख तत्व
- 1872 ई. की जनगणना को शामिल करते हुए अब तक भारत की 15वीं जनगणना हो चुकी है।
- 15वी जनगणना स्वतंत्र भारत की।
- 15वी जनगणना 21वीं शताब्दी की दूसरी जनगणना

भारत में जनगणना का प्रशासनिक स्वरूप

- देश की जनगणना का दायित्व भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार को दिया गया है।

- स्वतंत्रता के पश्चात 1948 में 'जनगणना अधिनियम' पारित कर जनगणना को वैधानिक मान्यता प्रदान की गयी।
- गृह मंत्रालय के अधीन 'जनगणना विभाग' का गठन किया गया।
- जनगणना संबंधी कार्यों का दायित्व निम्नवत है—

स्तर	अधिकारी/निदेशक
1. केन्द्रीय स्तर पर	महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त
2. राज्य/केंद्रशासित स्तर पर	जनगणना निदेशक
3. क्षेत्रीय स्तर पर	क्षेत्रीय उपनिदेशक
4. जिला स्तर पर	जिलाधीश
5. महापालिका स्तर पर	मुख्य नगर अधिकारी

- इसके बाद उपजिलाधिकारी, तहसीलदार इत्यादि को जनगणना कार्य के पर्यवेक्षण एवं निर्देशन का कार्य सौंपा जाता है। इस श्रृंखला की अंतिम कड़ी 'प्रगणक' (Enumerator) होता है जो जनगणना का वास्तविक कार्य सम्पन्न करता है।

15वीं जनगणना के प्रमुख तत्व

- जनगणना-2011 का आयोजन भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त डॉ. सी. चन्द्रमौली के निर्देशन एवं जयंत कुमार बंठिया के कार्यकाल में हुआ था।
- 31 मार्च 2011 को गृह सचिव जी. के. पिल्लै की उपस्थिति मे, डॉ. सी. चन्द्रमौली द्वारा अंतरिम आंकड़े जारी किये गये।
- अंतरिम आंकड़ो के जारी होने के लगभग दो वर्ष बाद 30 अप्रैल, 2013 को अंतिम आंकडे जारी किये गये।
- वर्ष 2011 की जनगणना की थीम—'हमारी जनगणना हमारा भविष्य'

नोट—भारत में दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर 53 हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में केवल 7 जिलें ऐसे जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है। वे इस प्रकार हैं—कानपुर, गाजियाबाद, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, मेरठ, इलाहाबाद।